CBSE Class 09 Hindi Course B
NCERT Solutions
स्पर्श पाठ-15a अरुण कमल - नए इलाके में [कविता]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?

उत्तर:- नए बसते इलाके में कवि रास्ता भूल जाता है क्योंकि वहाँ पर प्रतिदिन नए मकान बनते चले जा रहे हैं। इन मकानों के बनने से पुराने पेड़, खाली ज़मीन, टूटे-फूटे घर सब कुछ गुम हो गए हैं। कवि ने अपने घर तक पहुँचने के लिए जो निशानियाँ बनाई थी वो भी इस नित्य प्रतिदिन बदलाव के कारण मिट गयी हैं। इसलिए कवि रास्ता भूल जाता है।

---

2. कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर:- इस कविता में निम्नलिखित पुराने निशानों का उल्लेख है - पीपल का पेड़, ढहा हुआ घर, ज़मीन का खाली टुकड़ा, बिना रंग वाले लोहे के फाटक वाला मकान आदि।

---

3. कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?

उत्तर:- कवि ने अपने घर तक पहुँचने के लिए कुछ निशानियाँ बना रखीं थी जैसे - पीपल का पेड़, ढहा हुआ घर, ज़मीन का खाली टुकड़ा, बिना रंग वाले लोहे के फाटक वाला मकान आदिजो नित्य-प्रतिदिन होनेवाले बदलाव के कारण मिट गईं हैं इसलिए कवि एक घर पीछे या दो घर आगे अपने घर को ढूँढते हुए चल देता है।

---

4. 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर:- 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से अभिप्राय ऋतु परिवर्तन और एक लंबे अंतराल से है। जिस प्रकार एक ऋतु और दूसरी ऋतु के बदलने में काफ़ी समय लगता है ठीक उसी प्रकार कवि भी काफ़ी समय बाद अपने घर लौटे हैं। अत:उन्हें अपने घर को ढूँढने में मुश्किल हो रही है।

---

5. कवि ने इस कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है?

उत्तर:- इस कविता में समय की कमी की ओर इशारा इसलिए किया है क्योंकि जिस प्रकार से समय तेजी से बदलता जा रहा है, तो उसके साथ तालमेल बिठाने के लिए लोगों का व्यवहार भी उसी रफ़्तार से बदल रहा है। हर कोई यहाँ प्रगति की दौड़ में अंधाधुंध भाग रहा है। अत: आज सभी के पास समय का अभाव है।

---

6. इस कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

उत्तर:- इस कविता में कवि ने शहरों की हर क्षण बदलती प्रवृत्तिवाली विडंबना की ओर संकेत किया है। शहरों में जीवन की सहजता समाप्त होती जा रही है, इस परिवर्तनशील दौर में मनुष्य संवेदनशून्य हो चला है। बनावटी चीज़ों के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता जा

रहा है। सब आगे निकलना चाहते हैं, आपसी प्रेम, लगाव और आत्मीयता घटती जा रही है। लोगों की और रहने के स्थान की पहचान खोती जा रही है। स्वार्थ केन्द्रित लोगों के पास दूसरे के लिए समय ही नहीं है। आज की चीज़ कल पुरानी पड़ जाती है, कुछ भी स्थाई नहीं है। यहाँ केवल स्मृतियों के सहारे जीया नहीं जा सकता है।

व्याख्या कीजिए -
7. यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया।
उत्तर:- प्रस्तुत पंक्तियों द्वारा कवि यही कहना चाहता है कि आज के इस बदलते परिवेश में स्मृतियों के सहारे नहीं जीया जा सकता है क्योंकि आज प्रतिदिन दुनिया का नक्शा बदलता रहता है। समय की गतिशीलता के साथ दुनिया भी गतिशील होती जा रही है।

8. समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर
उत्तर:- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने समय की कमी की ओर इशारा किया है। समय की गतिशीलता के कारण पहचान के पैमाने बदल चूके हैं क्योंकि आज कुछ भी स्थायी नहीं है। परन्तु इस बदलते परिवेश में भी अभी भी एक आशा की किरण बची हुई है कि कहीं से कोई पुराना परिचित मिल जाए और सहायता कर दे।

CBSE Class 09 Hindi Course B

NCERT Solutions

स्पर्श पाठ -15b

अरुण कमल - खुशबू रचते हैं हाथ [कविता]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?

उत्तर:- खुशबू रचते हाथ अपना जीवनयापन बड़ी ही निम्न परिस्तिथियों में करते हैं। खुशबू रचनेवाले हाथ बदबूदार, तंग और नालों के पास रहते हैं। इनका घर कूड़े-कर्कट और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है, यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में खुशबू रचनेवाले हाथ रहते हैं।

2. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?

उत्तर:- कविता में निम्न प्रकार के हाथों की चर्चा हुई है - उभरी नसों वाले हाथ, पीपल के पत्ते से नए-नए हाथ, गंदे कटे-पिटे हाथ, घिसे नाखूनों वाले हाथ, जूही की डाल से खूशबूदार हाथ,जख्म से फटे हाथ आदि।

3. कवि ने यह क्यों कहा है कि 'खुशबू रचते हैं हाथ'?

उत्तर:- कवि ने ऐसा इसलिए कहा कि गंदगी में जीवन व्यतीत करनेवाले लोगों के हाथ खुशबूदार पदार्थों की रचना करते हैं। क्योंकि ये लोग स्वयं बदहाली और विषम परिस्थितियों में अपना जीवन बिताते हैं परन्तु दूसरों का जीवन खुशहाल बनाते हैं।
यहाँ पर कवि श्रमिकों की प्रशंसा नहीं करना चाहता है , बल्कि वह यह कहना चाहता है कि हमें उनकी दशा सुधारने की बात सोचनी चाहिए। हमें भी अपना नैतिक कर्तव्य समझकर ऐसे मजदूर वर्ग के लिए कार्य करना चाहिए।

4. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं, वहाँ का माहौल कैसा होता है?

उत्तर:- जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है , वहाँ का माहौल बड़ा ही गंदगी से भरा और प्रदूषित होता है। इनका घर कूड़े कर्कट, बदबूदार, तंग और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है। यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में रहने के बाद भी ये दूसरों के जीवन में खुशबू बिखरने का काम करते हैं।

5. इस कविता को लिखने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर:- इस कविता को लिखने का मुख्य उद्देश्य समाज के उपेक्षित मजदूर वर्ग की दयनीय दशा की ओर ध्यान आकर्षित करना है। कवि का उद्देश्य यह है कि जो समाज हमारे लिए सुन्दर-सुन्दर वस्तुओं का निर्माण करती है वो स्वयं इस प्रकार का उपेक्षित जीवन जीने के लिए मजबूर क्यों है? इस कविता के द्वारा कवि श्रमिकों की इसी दयनीय दशा को सुधारना चाहता है। वह चाहता है कि इनके रहने की दशा को स्वास्थ्यप्रद बनाया जाए। इनके गली-मोहल्ले की उचित साफ़-सफ़ाई का प्रबंध किया जाए। साथ ही इन्हें इनके काम के लिए इतनीमज़दूरी तो मिलनी ही चाहिए जिससे वे ठीक प्रकार रह सकें।

2. व्याख्या कीजिए -

1. पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ

जूही की डाल से खुशबूदार हाथ

उत्तर:- निम्न पंक्तियों के जरिए कवि ने हमारा ध्यान उन बच्चों और महिलाओं की ओर आकर्षित करना चाहा है जिनके हाथ पीपल के नए पत्तों और जूही की डाल के समान सुन्दर और खुशबूदार हैं। परन्तु गरीबी के कारण ये अत्यंत श्रम करने के लिए मजबूर हैं।

2. दुनिया की सारी गंदगी के बीच

दुनिया की सारी खुशबू

रचते रहते हैं हाथ

उत्तर:- कवि कहता है कि खुशबू रचने वाले हाथ अर्थात् अगरबत्ती बनाने वाले लोग स्वयं कितने गंदे और बदबूदार वातावरण में रहते हैं, इसकी कल्पना करना भी कठिन है। पर इस गंदगी में रहकर भी इनके हाथ में कमाल का जादू है ये खुशबूदार अगरबत्तियों को बनाते हैं। स्वयं बदहाल हैं लेकिन दूसरों के जीवन को महकाते हैं।

---

3. व्याख्या कीजिए -

1. कवि ने इस कविता में 'बहुवचन' का प्रयोग अधिक किया है? इसका क्या कारण है?

उत्तर:- कवि ने इस कविता में गलियों, नालों, नाखूनों, गंदे हाथ, अगरबत्तियाँ, मुहल्लों, गंदे लोग' जैसे बहुवचन' शब्दों का प्रयोग किया है क्योंकि ऐसे लोग, स्थान, वस्तुएँ एक नहीं अनेकों होती हैं। ऐसे गरीब और उपेक्षित लोग अनेक स्थानों पर काम करते दिखाई देते हैं।

---

2. कवि ने हाथों के लिए कौन-कौन से विशेषणों का प्रयोग किया है।

उत्तर:- कवि ने हाथों के लिए निम्नलिखित विशेषणों का प्रयोग किया है।

1. उभरी नसों वाले हाथ
2. गंदे नाखूनों वाले हाथ
3. पत्तों से नए हाथ
4. खुशबूदार हाथ
5. गंदे कटे पिटे हाथ
6. फटे हुए हाथ
7. खुशबू रचते हाथ